संपादकीय

रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ

मोदी सरकार को विश्वसनीय आंकड़ों से खास गुरेज है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

पिछले हफ्ते ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी हुआ। हर साल की तरह भारत में यह राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना। हालांकि इस बार भारत की रैंकिंग में कुछ सुधार दिखा- भारत 111वें से 105वें स्थान पर चला आया- मगर यह रैंक भी बहुत नीचे है, इसलिए यह इंडेक्स नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का फिर से औजार बना। मोदी सरकार का नजरिया ऐसी रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर देने का रहा है। सरकार ऐसे सूचकांकों के लिए आंकड़े इक_ा करने के तरीके पर सवाल खड़े करती है। जबकि ऐसा नहीं है कि उसे ऐसे हर इंडेक्स से गुरेज हो। जिन रैंकिंग्स में भारत की बेहतर सूरत दिखे, उसका इस सरकार द्वारा धुआंधार प्रचार भी किया जाता है। अपने आरंभिक वर्षों में विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत का दर्जा उछलने को उसने अपनी खास उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया था।

लेकिन जल्द ही विशेषज्ञों ने उस सूचकांक की खामियां स्पष्ट कर दीं। भारत सहित कई देशों पर उसे को सुनियोजित ढंग से प्रभावित करने के आरोप लगे। विवाद इतना बढ़ा कि विश्व बैंक ने वह सूचकांक तैयार करना ही छोड़ दिया। उधर गुजरे दस साल में मानव विकास एवं लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं संबंधी तमाम सूचकांकों पर भारत की बदतर तस्वीर उभरी है। वैसे विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कई सूचकांक गहन शोध पर आधारित नहीं होते। वे फैलते गए एनजीओ कल्चर का हिस्सा हैं। फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए एनजीओ इन्हें हर साल जल्दबाजी में तैयार कर देते हैं।

मगर हकीकत यह भी है कि इन सूचकांकों को दुनिया भर के मीडिया में खूब प्रचार मिलता है। देशों की छवि इनसे बनती बिगड़ती है। तो हल क्या है? समाधान यह है कि भारत अपने हर क्षेत्र के बारे में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़े खुद जारी करे। मगर मोदी सरकार को ऐसे आंकड़ों से खास गुरेज रहा है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो विश्वसनीय आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो उनकी रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

केंद्र ने डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए इमारतों की रेटिंग को लेकर जारी किए नए नियम

मुंबई

भारतीय नागरिकों को इंटरनेट का बेहतरीन अनुभव देने के उद्देश्य से सरकार ने नए नियम जारी किए हैं। नए नियम डिजिटल कनेक्टिविटी को लेकर संपत्तियों की रेटिंग के लिए बनाए गए हैं। इसी के साथ नए नियम दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और संपत्ति प्रबंधकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने 'डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग विनियम, 2024' शीर्षक से विनियम जारी किए हैं। नए नियम प्रभावी हो चुके हैं।

विनियमों के प्रावधानों के अनुसार, डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग मैनेज करने के लिए ट्राई की ओर से एक रेटिंग प्लेटफॉर्म सेटअप किया जाएगा। इसके अलावा, ट्राई एक इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम और इससे जुड़े एप्लिकेशन को भी सेटअप करेगा।

ट्राई ने कहा, ,26 अक्टूबर (आरएनएस)वे प्रॉपर्टी मैनेजर जो अपनी प्रॉपर्टी के मिनिमम स्पेसिफाइड साइज के साथ रेटिंग के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उन्हें रेटिंग प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए प्रॉपर्टी मैनेजर को फीस और अथॉरिटी द्वारा तय किए गए फॉर्मेट का ध्यान रखना होगा।,26 अक्टूबर (आरएनएस)

डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए रेटिंग के उद्देश्य से प्रॉपर्टी को आवासीय, सरकारी प्रॉपर्टी, कमर्शियल इस्टैब्लिशमेंट, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र, स्टेडियम या खेल का मैदान, ट्रांसपोर्ट कॉरिडर और लोगों के बार-बार इक_ा होने वाली जगह जैसी कैटेगरी में बांटा गया है।

दूरसंचार नियामक के अनुसार, 4जी (एलटीई) नेटवर्क के कवरेज और 5जी नेटवर्क के रोलआउट के बावजूद स्पेक्ट्रम बैंड की उपलब्धता एक प्रमुख मुद्दा बना हुआ है।

इसके अलावा, बिल्डिंग के अंदर डिजिटल कनेक्टिविटी की कवरेज और गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। इन परेशानियों को सेवा प्रदाताओं और संपत्ति प्रबंधकों के सहयोग से दूर किए जाने की जरूरत है।

नए नियमों को संपत्ति प्रबंधकों द्वारा अपने ग्राहकों को एक अच्छा डिजिटल कनेक्टिविटी अनुभव प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए हैं।

दूरसंचार नियामक ने कहा, ,26 अक्टूबर (आरएनएस)बेहतर रेटिंग वाली संपत्ति ज्यादा यूजर्स, खरीदारों और निवेशकों को आकर्षित करेगी और इससे संपत्ति का मूल्य बढ़ेगा।,26 अक्टूबर (आरएनएस)

भारत में, 927.56 मिलियन वायरलेस इंटरनेट ग्राहक हैं, जबकि जून 2024 तक 42.04 मिलियन इंटरनेट ग्राहक अपने घरों या कार्यालयों में वायर्ड कनेक्टिविटी रखते हैं। वर्तमान में, अधिकांश आबादी इंटरनेट तक पहुंचने के लिए वायरलेस नेटवर्क पर निर्भर है।

नियामक के अनुसार, डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसी (डीसीआरए) के रूप में पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाली कोई भी इकाई रेटिंग प्लेटफॉर्म पर रजिस्ट्रेशन के जरिए प्राधिकरण द्वारा लिस्ट की जाएगी।

केंद्र ने पीएम मुद्रा योजना में लिमिट को किया दोगुना, अब मिलेगा 20 लाख रुपए तक का लोन

नई दिल्ली

केंद्र सरकार की ओर से दीपावली से पहले देशवासियों को बड़ी सौगत दी गई है। सरकार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले लोन की सीमा को बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। अब इस योजना में व्यापार करने के लिए 20 लाख रुपये तक का लोन ले सकते हैं। पहले यह लिमिट 10 लाख थी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से आम बजट 2024-25 में पीएम मुद्रा योजना में दिए जाने वाले लोन की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का ऐलान किया गया था।

सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इस योजना में अब एक नई कैटेगरी 'तरुण प्लस' को जोड़ा गया है, जिसमें छोटे व्यापारी 20 लाख रुपये तक के लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इससे पहले इस योजना में तीन कैटेगरी थी, जिसमें शिशु के तहत 50,000 रुपये तक, किशोर में 5 लाख रुपये तक और तरुण में 10 लाख रुपये का लोन दिया जाता है।

इस कदम के जरिए सरकार की कोशिश छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देना है, जिससे कि वे आसानी से कारोबार के लिए लोन ले सकें। इससे नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और लोगों को अपना कारोबार खोलने का अवसर भी मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

ऐसे लोग जो कारोबार शुरू करना चाहते हैं या फिर अपने छोटे कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं। उन लोगों के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक अच्छा विकल्प है। मुद्रा लोन की खास बात यह है कि इस पर ब्याज दरें काफी कम होती हैं और लोन की लिए आपको किसी गारंटर की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि सरकार यहां पर गारंटर होती है।

आप अपने किसी नदजीकी बैंक शाखा या फिर ऑनलाइन माध्यम से पीएम मुद्रा लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दलपति 69 से जुड़ीं प्रियामणि, पहली बार विजय के साथ स्क्रीन पर मचाएंगी धमाल

दलपति 69 साउथ सुपरस्टार विजय की राजनीति में प्रवेश से पहले आखिरी फिल्म होगी। द गोट की रिलीज के कुछ ही दिनों बाद विजय की अगली फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर बैक-टू-बैक अपडेट सामने आ रहा है। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस कर रहा है। बीते दिन विजय की फिल्म से बॉबी देओल और पूजा हेगड़े के जुडऩे की जानकारी मिली। वहीं, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने पोस्ट कर जानकारी दी है कि प्रियामणि भी फिल्म दलपति 69 का हिस्सा बन गई हैं।

प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म दलपति 69 से प्रियामणि का पोस्टर साझा कर इस खबर की आधिकारिक घोषणा की है। इसके साथ उन्होंने नोट में लिखा, दलपति 69 परिवार में प्रियामणि का आधिकारिक तौर पर स्वागत करते हुए खुश हैं। फिल्म से प्रियामणि के जुड़ाव ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। जानकारी हो कि यह पहली बार होगा जब प्रियामणि, विजय के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल के बीच मल्टीकैप फंड एक अच्छा निवेश विकल्प, कम जोखिम में दिया शानदार रिटर्न

नई दिल्ली

स्टॉक मार्केट के निवेशक इन दिनों डरे हुए हैं। बाजार में उथल-पुथल हावी है और बड़ा करेक्शन देखने को मिल रहा है। इससे निवेशकों को भारी नुकसान हो रहा है। ऐसे में अगर आप कम जोखिम में एक अच्छा रिटर्न चाहते हैं तो आपके लिए मल्टीकैप फंड एक बेहतर साधन हो सकता है। यह एक ऐसी स्कीम होती है जो सभी मार्केट कैप लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में निवेश करती है। बाजार की गिरावट में जहां लार्ज कैप शेयर सुरक्षा प्रदान करते हैं वहीं मिड और स्मॉल कैप शेयर फायदा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कोई भी एक मार्केट कैप लगातार बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकता है। इसलिए निवेशकों को एसेट अलोकेशन के तहत सभी मार्केट कैप में निवेश करना चाहिए।

क्यों मल्टीकैप फंड में निवेश फायदे का सौदा- सालाना आधार पर 2023 में निफ्टी 100 टीआरआई का रिटर्न 21 फीसदी रहा है जबकि निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 45 फीसदी रहा है। निफ्टी स्मॉलकैप 250 टीआरआी का रिटर्न 49 पर्सेंट रहा है। सभी मार्केटकैप में निवेश का फायदा यह होता है कि जोखिम और रिटर्न एक बाजार पूंजीकरण में केंद्रित होने के बजाय पूरे बाजार पूंजीकरण में डायवर्सिफाइड होते हैं। मल्टीकैप में जिन चार फंडों ने पिछले एक साल में अच्छा रिटर्न दिया है उनमें एक्सिस के मल्टीकैप ने सर्वाधिक 56.02 फीसदी रिटर्न दिया है। कोटक मल्टीकैप की स्कीम 52.83त्न, एचएसबीसी की स्कीम ने 51.90त्न और एलआईसी मल्टीकैप की स्कीम ने 51.37त्न का रिटर्न दिया है। इन फंडों में अगर किसी ने एक साल पहले एक लाख रुपये का निवेश किया तो वह रकम अब 1.56 लाख रुपये हो गई है।

लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप का संगम- मल्टीकैप में एक जाना माना नाम एक्सिस म्यूचुअल फंड है। इस फंड ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक निवेशकों को लगातार बेहतर फायदा दिया है। लार्जकैप बड़ी कंपनियों में निवेश करता है। मिडकैप मिडकैप कंपनियों के अवसरों को पकड़ता है। स्मॉलकैप उभरते हुए अवसरों में निवेश करता है, जहां छोटी कंपनियां आने वाले समय में बड़ी बनने की क्षमता रखती हैं मल्टीकैप फंड लार्जकैप, मिडकैप,स्मॉलकैप और डायनॉमिक में 25-25 फीसदी का निवेश करता है।

8-4-3 इन्वेस्टमेंट रूल का करें इस्तेमाल, म्यूचुअल फंड से 1 करोड़ रुपए झट से जमा हो जाएंगे

नई दिल्ली

शेयर बाजार में जारी गिरावट से निवेशक सहमे हुए हैं। हालांकि, अगर आप म्यूचुअल फंड निवेशक हैं और आपका लक्ष्य लंबे समय में बड़ा कॉर्पस बनाने की है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। आप अपना निवेश जारी रखें। म्यूचुअल फंड में कंपाउंडिंग का लाभ लंबे समय में ही मिलता है। एक निवेशक के रूप में सफल होने के लिए कई ज़रूरी शर्तों में से एक है, अपने निवेश को शुरुआती चरण में धीरे-धीरे बढ़ते हुए देखने और बाद के वर्षों में कंपाउंडिंग का लाभ उठाने के लिए धैर्य रखना। म्यूचुअल फंड भी निवेशकों के पैसे को समय के साथ बढ़ाने के लिए कंपाउंडिंग का इस्तेमाल करते हैं। आज हम आपको 8-4-3 इन्वेस्टमेंट रूल बता रहे हैं। यह रूल हर म्यूचुअल फंड निवेश को जरूर जानना चाहिए। इससे बड़ा फंड बनाने में आपको मदद मिलेगी और आप सही तरीके से निवेश कर मैक्सिमम रिटर्न ले पाएंगे।

8-4-3 इन्वेस्टमेंट रूल क्या है- 8-4-3 इन्वेस्टमेंट रूल दिखाता है कि चक्रवृद्धि ब्याज (कंपाउंडिंग) की शक्ति के माध्यम से किसी भी वित्तीय लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है। यह एक ऐसी अवधारणा है जिसका उपयोग आपके निवेश को समय के साथ बढऩे में मदद करने के लिए किया जा सकता है। यह कोई विशिष्ट निवेश रणनीति नहीं है, बल्कि विकास की संभावित गति को समझने का एक सरल तरीका है।

चक्रवृद्धि ब्याज का 8-4-3 नियम कैसे काम करता है- इस नियम से पैसे कैसे बढ़ते हैं, इसका एक उदाहरण लें: मान लीजिए कि आप हर महीने 20,000 रुपये किसी ऐसे म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश करते हैं जो सालाना 12त्न ब्याज देता है। मान लीजिए कि यह सालाना चक्रवृद्धि ब्याज है, तो आप आठ साल में 32 लाख रुपये जमा करेंगे। पहले 32 लाख रुपये 8 साल में बनते हैं, लेकिन अगले 32 लाख रुपये उसी ब्याज दर पर सिर्फ 4 साल में जमा हो जाएंगे। इसलिए, 12 साल के अंत में, किसी निवेश स्कीम में 20,000 रुपये का मासिक निवेश 64 लाख रुपये बना देगा।

जब इस राशि को अगले 3 वर्षों के लिए छोड़ दिया जाता है और साथ ही 20,000 रुपये प्रति माह निवेश जारी रखा जाता है, तो यह राशि 1 करोड़ रुपये हो जाएगी।

निवेशकों के लिए कठिन रहा बीता हफ्ता, घरेलू आर्थिक स्थितियां भारतीय शेयर बाजार के पक्ष में

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुश्किलों भरा रहा। बीएसई के सेंसेक्स और एनएसई के निफ्टी दोनों ही सूचकांक में भारी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स में क्रमश: 2.7 प्रतिशत और 2.2 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई। आने वाले समय में घरेलू आर्थिक स्थितियां बाजार के पक्ष में दिख रही हैं। मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार, हाल ही में जारी मजबूत क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) डेटा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा वित्त वर्ष 25 के लिए मजबूत आर्थिक वृद्धि पूर्वानुमान के साथ आंकड़े बड़े पैमाने पर बाजार के पक्ष में हैं।

भारत के विनिर्माण उद्योग ने अक्टूबर में वृद्धि की गति फिर से हासिल कर ली है और इस तेजी को फैक्ट्री उत्पादन और सेवा गतिविधियों में तेज वृद्धि से समर्थन मिला है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा नवीनतम एचएसबीसी 'फ्लैश' पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार, भारत की निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था ने अक्टूबर में मजबूत वृद्धि जारी रखी।

बीता हफ्ता निवेशकों और व्यापारियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली देखी गई। निफ्टी 2.65 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 24,200 से नीचे बंद हुआ।

एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी विश्लेषक राजेश भोसले ने कहा, अक्टूबर खास तौर पर मुश्किल रहा है, अब तक बेंचमार्क में 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। सबसे ज्यादा नुकसान व्यक्तिगत शेयरों को हुआ है, खास तौर पर मिड-कैप सेगमेंट को, जिसमें पिछले कुछ हफ्तों में भारी गिरावट आई है। बीते हफ्ते का फोकस मिड-कैप में भारी गिरावट पर रहा है, लेकिन त्योहारी सीजन के साथ कुछ चुनिंदा सकारात्मक रुझान सामने आने की उम्मीद कर सकते हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि लंबी अवधि के नजरिए वाले निवेशक इन स्तरों से गुणवत्ता वाले शेयरों की खरीद पर विचार कर सकते हैं। वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव और एफआईआई की भारी बिकवाली के कारण निवेशकों की निराशा के कारण भी धारणा प्रभावित हुई। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि एफआईआई की ओर से लगातार बिकवाली और घरेलू बाजार में सकारात्मक संकेतों की कमी से बाजार की निकट अवधि की धारणा प्रभावित हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि रहने से आपकी सोच सकारात्मक और संतुलित रहेगी। आज अपनी हर योजना गुप्त रखें, नहीं तो कोई आपकी योजनाओं का फायदा उठा सकता है।

वृष: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे।

मिथुन: आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे।

कर्क: आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्रॉकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है।

सिंह: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी भी बाहरी व्यक्ति से बातचीत करते समय धैर्य और संयम बनाकर रखने की आवश्यकता है। आज समय का उचित सदुपयोग करेंगे।

कन्या: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी।

तुला: आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपको कुछ बाहरी ऑर्डर मिलेंगे, जिस पर एकाग्र चित्त होकर काम करेंगे। आज अगर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी गतिविधि चल रही है, तो काम पूरा हो सकता है।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज चुनौतियों को स्वीकार करना आपके लिए सफलता के मार्ग खोलेगा। आज घर में बच्चों पर ज्यादा अंकुश लगाना और गुस्सा करना अच्छा नहीं है।

मकर: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह के गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। अपने जनसंपर्क को और अधिक मजबूत करें, इनके द्वारा आपको चमत्कारिक रूप से लक्ष्य की प्राप्ति भी होगी।

कुंभ: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी ख़ुशी होगी।

मीन: आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने की जरूरत है। आज आपको रुका हुआ पैसा मिल सकता है।

अभिषेक बच्चन की अपकमिंग फिल्म आई वान्ट टू टॉक का टीजर आउट, 22 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिषेक बच्चन अपकमिंग फिल्म आई वान्ट टू टॉक में नजर आएंगे, जिसका टीजर रिलीज कर दिया है. इस फिल्म को सरदार उद्यमसिंह, पिंक, पीकू, विक्की डोनर जैसी फिल्में बनाने वाले शूजित सरकार ने डायरेक्ट किया है. शूजित के डायरेक्शन की हर कोई तारीफ करता है वहीं बॉलीवुड के कई एक्टर्स उनके साथ काम करना चाहते हैं. इस बार अभिषेक और शूजित कुछ नया और हटकर लाने वाले हैं. टीजर देखकर पता चल रहा है कि अभिषेक

इस बार जिंदगी के फलसफे समझाने आ रहे हैं. मेकर्स ने टीजर के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है.

अभिषेक ने जो वीडियो शेयर किया उसमें उनका खुद का एक स्टैच्यू है जो कार में लगा हुआ है. बैकग्राउंड में अभिषेक कहते हैं, मुझे बात करना बहुत पसंद है, मैं बात करने के लिए ही जीता हूं. जिंदा और मरे हुए लोगों में मुझे बस यही एक अंतर दिखता है जिंदा लोग बोल पाते हैं और मरे हुए लोग बोल नहीं पाते. जूनियर बच्चन ने इसे शेयर करते हुए कैप्शन लिखा- हम सभी जानते हैं कि एक व्यक्ति जिसे बात करना बहुत पसंद है जो हमेशा लाइफ की बेहतर साइड को देखता है. चाहे जिंदगी में उसे कोई भी चुनौती मिले. उस व्यक्ति को टैग करें जिसे बात करना बहुत पसंद है.

विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का टीजर रिलीज, गोधरा कांड का असली सच अब आएगा सामने!

27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर हुई घटना पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का टीजर फाइनली सामने आ गया है. जिसमें 12वीं फेल एक्टर विक्रांत मैसी और राशि खन्ना जर्नलिस्ट के किरदार में हैं और इस घटना की गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं. इस स्टेशन पर साबरमती एक्प्रेस में आग लग गई थी जिसमें अयोध्या से लौट रहे कई तीर्थ यात्रियों की जान चली गई थी.

टीजर की शुरुआत कोर्ट रुम से होती है जहां विक्रांत इस घटना के

लिए जिम्मेदार लोगों से सार्वजनिक माफी की मांग करते हैं. ब्रैकग्राउंड में नरेटर कहता है हर देश के इतिहास में एक ऐसा वक्त आता है जो सबकुछ बदल देता है. अमेरिका के लिए वो 9/11 था. और भारत के लिए वैसा ही एक वक्त दस्तक देने वाला था. जिसके बाद 27 फरवरी 2002 को हुई साबरमती घटना की झलक दिखाई जाती है.

भूल भुलैया 3 का आमी जे तोमार सॉन्ग आउट, विद्या-माधुरी के परफॉर्मेंस ने लूटी महफिल, दिखीं 2 मंजूलिका की झलक

कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित स्टारर मोस्ट अवेटेड भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को दस्तक देगी. इस बीच इसके आईकॉनिक सॉन्ग आमी जे तोमार को मेकर्स ने फाइनली रिलीज कर दिया है. फैंस सॉन्ग का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे क्योंकि इसमें विद्या और माधुरी ने एक साथ डांस किया है. पहली भूल भुलैया में विद्या ने आमी जे तोमार पर डांस कर सबका दिल जीत लिया था वहीं भूल भुलैया 2 में इस गाने पर कार्तिक आर्यन ने सोलो और तब्बू ने डबल रोल में गाने पर परफॉर्मेंस दी थी. अब इस आईकॉनिक सॉन्ग में विद्या के साथ ही माधुरी ने भी परफॉर्म किया है.

हाल ही में भूल भुलैया की मंजूलिका यानि विद्या बालन ने सॉन्ग की एक झलक दिखाते हुए बताया था कि 25 अक्टूबर को आमी जे तोमार रिलीज होने जा रहा है. पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, आमी जे तोमार...जुगल बंदी... इस बार माधुरी दीक्षित नेने जी के साथ. आमी जे तोमार 3.0 सॉन्ग जल्द रिलीज होगा. भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों में 1 नवंबर को रिलीज होगी. ये दिवाली भूल भुलैया वाली.

भूल भुलैया के इस आईकॉनिक सॉन्ग में पहली फिल्म में विद्या बालन को डांस करते हुए देखा गया था जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया था. वहीं भूल भुलैया 2 में कार्तिक आर्यन ने इस पर थिरककर दर्शकों का दिल जीत लिया था साथ ही अरिजीत की आवाज में यह गाना दर्शकों को बहुत पसंद आया था. वहीं तब्बू ने भी डबल रोल में इस गाने पर डांस किया था. अब भूल भुलैया 3 में इस सॉन्ग पर दो-दो मंजूलिकाएं नजर आईं. बता दें इस फिल्म में माधुरी को दूसरी मंजूलिका के रूप में दिखाया गया है. वहीं इस सॉन्ग में भी विद्या और माधुरी की जुगलबंदी देखने को मिली. दर्शकों को श्रेया घोषाल की आवाज में यह सॉन्ग काफी पसंद आया है वहीं विद्या और माधुरी की परफॉर्मेंस भी धांसू है.

शब्द सामर्थ्य- 219

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

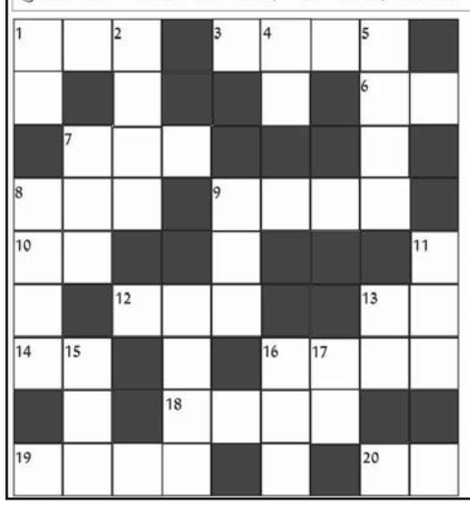

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 218 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

सू-दोकू- 219

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.218 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6